

परिपत्रक क्र. ७० /१९९२

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाशी संलग्न असलेल्या सर्व कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालयांसाठी प्रथम वर्ष बी. ए. साठी "हिंदी" या विषयाचे पुस्तक लवकरच उपलब्ध होणार आहे. तूर्त प्रथमवर्ष बी. ए. करिता हिंदी या विषयाचे पाठ्यक्रमावरील प्रस्ताविक सौधत पाठविले आहे. सदर पाठ्यक्रमाचे आधारे अध्यापनाचे कार्य सुरु करण्यात यावे ही विनंती.

द्वितीय वर्ष वाणिज्य च्या विद्यार्थ्यांसाठी सर्व विषयांकरिता [Business Communication हा विषय सोडून] १९९१-९२ या वर्षात पुणे विद्यापीठाचा जो अभ्यासक्रम शिकविण्यांत येत होता तोच अभ्यासक्रम १९९२-९३ या शैक्षणिक वर्षातही शिकविण्यांत यावा.

कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालयांचे मा. प्राचार्य यांना विनंती की, या परिपत्रकाचा आशय सर्व संबंधित प्राध्यापकांच्या आणि विद्यार्थ्यांच्या नजरेस आणून विद्यापीठाला सहकार्य करावे ही विनंती.

जा. क्र. अभ्यासक्रम/९२/६/२६९/ ६३८५

जळगांव.

दिनांक: १५.७.१९९२

सहा. कुलसचिव.

प्रत माहितीसाठी सादर रवाना :-

- १] सर्व संलग्न कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालयांचे मा. प्राचार्य.
- २] मा. उपकुलसचिव, [शैक्षणिक विभाग]
- ३] मा. सहा. कुलसचिव, [परीक्षा विभाग]
- ४] मा. कक्षाधिकारी, [रेकॉर्ड विभाग].

डीबी./

॥ अंतरी पेटवु ज्ञानज्योत ॥

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव-४२५ ००१.

प्रथम वर्ष बी. ए.

-: हिंदी :-

१९९२-९३

प्रथम वर्ष बी. ए. के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम :

प्रथम सत्र [गद्य]

- | | |
|--------------------------------------|------------------------------------|
| १] महाविद्यालय का उद्घाटन समारोह | [व्यंग्य] रामनारायण उपाध्याय. |
| २] बिड़ला मंदिर देखने चलोगे? | [निबंध] कन्हैयालाल मिश्र "प्रभाकर" |
| ३] ठाकुर का कुआ | [कहानी] प्रेमचंद. |
| ४] अगर शहीद गणेशा प्रीतकर विद्यार्थी | [संस्मरण] रतनलाल बैसल. |
| ५] बिरादरी बाहर | [कहानी] राजेंद्र यादव. |
| ६] दीपावली | [निबंध] हजारी प्रसाद द्विवेदी. |

द्वितीय सत्र :

- | | |
|----------------------------|------------------------------|
| ७] मलबे का मातृलोक | [कहानी] मोहन राकेश. |
| ८] रीट की हड्डी | [स्वामी] जगदीशचंद्र भाथर. |
| ९] भोलाराम का जीव | [व्यंग्य] हरिवंशकर परसाई. |
| १०] हिमशिखरों का दर्शनानंद | [यात्रा] काफिराहाब कालेकर. |
| ११] एक खुशगवार झोंका | [साक्षात्कार] पद्मा सचदेव. |
| १२] एक भुव्ही नशक | [संस्मरण] रामकृष्ण बेनीपुरी. |

प्रथम सत्र [पद्य]

कवितारें :-

- | | |
|----------------------------------|----------------------------|
| १] कबीर - प्रेमातत्य/गुरु महिमा. | |
| २] रसखान - सवैये. | |
| ३] मैथिलीशरण गुप्त - | १] दोनो ओर प्रेम पलता है। |
| | २] सखि। ये भुझी कडकर जाते। |
| ४] माखनलाल चतुर्वेदी | १] कैदी और कोकिला. |
| | २] शहीदोंकी याद पर. |
| ५] तुषितानंदन पंत | १] जा, धरती जितना देती है। |
| | २] दूत झरो। |

द्वितीय सत्र :-

- | | |
|---------------------------|----------------------------|
| ६] निराला | १] वह तोडती पत्थर. |
| | २] प्रार्थना - तीणावादिनी. |
| ७] दिनकर | १] डिप्रालय के प्रति। |
| | २] लौहे के पेड़ हरे होंगे। |
| ८] विद्यमंगल शिंदे "सुमन" | १] क्षणभर की पहचान. |
| | २] पिठ्ठी की महिमा. |
| ९] नरेंद्र शर्मा | १] थोर हो गई. |
| १०] सर्वेश्वरदयाल सक्सेना | १] प्रार्थना १, २, ३, ४. |

उपर्युक्त अध्यायों के साथ ही - व्याकरण, निबंध, पारिभाषिक शब्द तथा सार लेखन का भी अभ्यास हो।

टीप :- इन जैसे कुछ पाठ एवं कवितारें [ठाकुर का कुआं, दीपावली, बिरादरी बाहर] सखि। ये भुझी कडकर जाते, हूराशरी] : अन्यत्र उपलब्ध हो सकते है।

कृपया अध्यापन कार्य शुरू कर सहयोग करें।